K16P 0161

Reg. No. : .....

Name : .....

GOVT. BRENNEN COLLEGE CENTRAL LIBRARY THALASSERY

Fourth Semester M.A. Degree (Regular/Supplementary/Improvement) Examination, March 2016

HINDI LANGUAGE AND LITERATURE (2014 Admn.)

HIN4E07 : Hindi Language and Literature in Kerala

Time : 3 Hours

Max. Marks : 80

I. **सात** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : **(7×2=14)**

1) केरल की चार हिन्दी संस्थाएँ ।

2) डॉ. रामन नायर की तीन रचनाएँ ।

3) केरल की चार हिन्दी पत्रिकाएँ ।

4) डॉ. गोविन्द षेणाई की तीन रचनाएँ।

5) केरल के चार हिन्दी अनुवादक।

6) हिन्दी में अनूदित चार मलयालम उपन्यासों के नाम।

7) केरल की चार महिला लेखक।

8) 'उज्जयनी' के मूल लेखक और उसके हिन्दी अनुवादक।

9) 'चेम्मीन' का हिन्दी अनुवाद किसने किया ? किस नाम से ?

10) _____ ''जब प्रभंजन आता है तब उसके रास्ते में न पड़ना ही बुद्धिमानी है'' – यह पंक्ति किस निबन्ध से लिया है ? निबन्धकार कौन है ?

II. **छह** प्रश्नों के समीक्षात्मक उत्तर दीजिए। (अधिकतम **150** शब्द) : **(6×5=30)**

1) स्वतन्द्रता आन्दोलन में हिन्दी भाषा के योगदान पर लिखिए।

2) केरल की हिन्दी पत्रकारिता पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

3) 'प्रकृति रहस्यमयी माँ' की कथ्यगत विशेषताओं पर लिखिए।

4) लेखक ने 'केरल का चायपुराण' में केरल की कौन सी विशेषता पर प्रकाश डाला है ?

5) ''जब अपनी कल्पना का ताज का महल टूट गया तब स्वर्ण-खान की असली स्थिति जानने की इच्छा हुई।'' - व्याख्या कीजिए।

6) केरल के हिन्दी उपन्यास साहित्य पर विचार कीजिए।

7) 'नदी को बहने दो' - कविता के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

8) मुग्ध हुआ तन मन
चराचर सारा पुलकित बन
हर्षोन्माद में विस्मृत बन
मान गया, यह सुन्दर है जीवन!
- सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

9) खबरदार
फिलहाल सपना देखना
मना है।
अपनी मर्जी या विकल्प के
सपनों पर
सख्त मनाही है।
-सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

10) अनुवाद के क्षेत्र में डॉ. गोपीनाथन जी के योगदान पर लिखिए।

III. **तीन** प्रश्नों पर निबन्ध लिखिए। **(3×12=36)**

1) केरल के सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य पर विचार कीजिए।

2) केरल के उच्च शिक्षा क्षेत्र में हिन्दी के प्रचार-प्रसार पर लिखिए।

3) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता के क्षेत्र में केरल के योगदान पर विचार कीजिए।

4) 'या पाये बौराय' के आधार पर डॉ.एन.ई.विश्वनाथ अय्यर की निबन्ध कला पर विचार कीजिए।

5) पठित रचना के आधार पर डॉ. चन्द्रशेखरन नायर की नाट्य कला पर प्रकाश डालिए।